पुनर्वास विवि में विभाग पीजी कोर्स की परीक्षा कराएंगे

- परीक्षा समिति की बैठक में हुए कई अहम निर्णय

लखनऊ, संवाददाता। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब परास्नातक पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं विभाग अपने स्तर से कराएंगे। हर विभाग के पास उसके यहां संचालित पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं कराने की जिम्मेदारी होगी। इसके लिए विभागाध्यक्ष प्रश्न पत्र तैयार करेंगे। यह निर्णय कुलपति की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया।

प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि परीक्षा समिति में निर्णय लिया गया है कि अब सभी विभाग अपनी-अपनी परीक्षाएं स्वयं कराएंगे। इसके लिए विभागाध्यक्ष प्रश्न पत्र बनाएंगे। वहीं परीक्षा कराने के बाद प्रश्न पत्र की एक कॉपी परीक्षा विभाग को भी भेजेंगे। हालांकि परीक्षा की तिथियां परीक्षा नियंत्रक तय करेंगे। प्रवक्ता का कहना है कि विभागाध्यक्षों को आवश्यकता पड़ने पर संबद्ध कॉलेजों के लिए भी प्रश्न पत्र तैयार होंगे। जबकि स्नातक की परीक्षाएं पहले की तरह होंगी। बैठक में कुलपति आचार्य संजय सिंह, कुलसचिव रोहित सिंह, परीक्षा नियंत्रक अमित कुमार राय, अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. वीके सिंह समेत संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

एक साथ होंगी मिड टर्म और सेमेस्टर परीक्षाएं

प्रवक्ता ने बताया कि अब पीजी स्तर पर भी मिड टर्म और सेमेस्टर परीक्षाएं एक साथ आयोजित की जाएंगी। इसकी अवधि साढ़े तीन घंटे तय की गई है। जबकि स्नातक परीक्षाओं का प्रस्ताव पास कर दिया गया।

लिया गया है.

परीक्षा समिति की बैठक

गुरुवार को दोपहर 12:30 बजे परीक्षा समिति की बैठक बुलाई गई. इसमें वीसी के साथ-साथ कुलसचिव रोहित सिंह, डीन एकेडमिक प्रो: वीके सिंह सहित सभी अन्य डीन व विभागाध्यक्ष उपस्थित हुए. विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. यशवंत विरोदय ने बताया कि पीजी की सभी परीक्षाओं के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से सिर्फ परीक्षा अवधि तय होगी. उसी बीच विभाग अपने स्तर से परीक्षाएं कराने के लिए समय सारिणी जारी करेंगे. परीक्षा की अवधि साढ़े तीन घंटे की होगी. इसमें भी प्रश्न पत्र दो भाग में होंगे. पहले भाग में सेमेस्टर परीक्षा के लिए तीन घंटे मिलेंगे.

डांस, फेयरी डांस, मरजीना डांस, ग्रुप ने सांता डांस प्रस्तुत किया। बच्चों आता है। हेड मिस्ट्रेस डा. संगीता प्रधानाचार्य सच्चिदानंद सिंह द्वारा अध्यापक

विभाग स्तर पर होंगी परास्नातक की परीक्षाएं

डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया फैसला

जासं • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय में अब परास्नातक की सभी परीक्षाएं विभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी। अभी तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय इसे संचालित करता था। गुरुवार को कुलपति आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई परीक्षा समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाओं के साथ मिड सेमेस्टर परीक्षाएं कराए जाने का भी निर्णय लिया गया है।

गुरुवार को दोपहर 12:30 बजे परीक्षा समिति की बैठक बुलाई गई। इसमें कुलपति के साथ-साथ कुलसचिव रोहित सिंह, डीन एकेडमिक प्रो. वीके सिंह सहित सभी अन्य डीन व विभागाध्यक्ष उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. यशवंत विरोदय ने बताया कि पीजी की सभी परीक्षाओं के लिए परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से सिर्फ परीक्षा अवधि तय होगी। उसी बीच विभाग अपने स्तर से परीक्षाएं कराने के लिए समय सारिणी जारी करेंगे। परीक्षा की अवधि साढ़े तीन घंटे की होगी। इसमें भी प्रश्न पत्र दो भाग में होंगे। पहले भाग में सेमेस्टर परीक्षा के लिए तीन घंटे मिलेंगे। दूसरे भाग में मिड सेमेस्टर टेस्ट के लिए 30 मिनट दिए जाएंगे।

परीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते कुलपति आचार्य संजय सिंह • विश्वविद्यालय

मूल्यांकन के अंक पोर्टल पर : पीजी परीक्षाओं के बाद विभागाध्यक्षों के पर्यवेक्षण में कापियों का मूल्यांकन होगा। फिर उसके अंकों को आनलाइन ई-पोर्टल पर अपलोड करते हुए कापियों और हस्ताक्षरित अवार्डशीट परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी। **स्नातक की सेमेस्टर और मिड टेस्ट एक साथ** : विश्वविद्यालय में स्नातक की सेमेस्टर और मिड टेस्ट एक साथ जनवरी में होंगे। इसके लिए 3:30 मिनट मिलेंगे। एनईपी के कोर्स वालों को मिड टेस्ट (लिखित) में 15 अंक, असाइनमेंट के लिए पांच और प्रजेंटेशन के पांच अंक मिलेंगे। गैर एनईपी वाले कोर्स में लिखित मिड टेस्ट के 20 अंक मिलेंगे।

दो प्रश्न पत्र बनेंगे

पीजी सम और विषम सेमेस्टर परीक्षा के प्रश्न पत्र विभागाध्यक्षों की निगरानी में तैयार कराए जाएंगे। परीक्षा के बाद प्रश्न पत्र की एक प्रति परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में भी दी जाएगी। इसके अलावा आवश्यकता अनुसार संबद्ध 16 कालेजों की पीजी परीक्षाओं के लिए भी प्रश्न पत्र तैयार कराने की जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष की होगी। प्रो. यशवंत विरोदय ने बताया कि विभाग स्तर पर पीजी की परीक्षाएं होने से समय से मूल्यांकन और परिणाम भी जारी हो सकेंगे।

अब तीन से होंगी स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षाएं

जासं • लखनऊ : लवि ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं का फाइनल कार्यक्रम गुरुवार को जारी कर दिया। अब बी.ए और बी.एससी (एनईपी) प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं तीन जनवरी से और बी.काम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं चार जनवरी से होंगी। लवि ने बीते दिनों इसका प्रस्तावित परीक्षा कार्यक्रम जारी कर सुझाव मांगे थे। अब उसमें संशोधन करके फाइनल समय सारिणी जारी कर दी है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्त्र ने बताया कि बीए और बी.एससी प्रथम सेमेस्टर (एनईपी) की परीक्षाएं तीन से 29 जनवरी, बी.काम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं चार से शुरू 15 जनवरी तक होंगी। वहीं, बीवाक विषम सेमेस्टर परीक्षाएं सात से 20 जनवरी तक संचालित होंगी। उन्होंने बताया कि एम.एससी रिन्यूएबल एनर्जी विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं सात से 24 जनवरी तक आयोजित की जाएंगी।

बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षा फार्म जारी : लवि ने बीएड विषम सेमेस्टर परीक्षा फतर्म भरने की तिथि जारी कर दी है। विद्यार्थी 26 तक लवि की वेबसाइट के माध्यम से परीक्षा फार्म भर सकते हैं।

विभाग स्तर पर होंगे पीजी के एग्जाम

एसएमयू की परीक्षा समिति की बैठक मे लिया फैसला

LUCKNOW (19 DEC): डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अब परास्नातक की सभी परीक्षाएं विभाग स्तर पर आयोजित की जाएंगी. अभी तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय इसे संचालित करता था. गुरुवार को वीसी आचार्य संजय सिंह की अध्यक्षता में हुई परीक्षा समिति की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई. इसके अलावा स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाओं के साथ मिड सेमेस्टर परीक्षाएं कराए जाने का भी निर्णय लिया गया है.

दो प्रश्न पत्र बनेंगे

पीजी सम और विषम सेमेस्टर परीक्षा के प्रश्न पत्र विभागाध्यक्षों की निगरानी में तैयार कराए जाएंगे. परीक्षा के बाद प्रश्न पत्र की एक प्रति परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में भी दी जाएगी. आवश्यकता अनुसार संबद्ध 16 कालेजों की पीजी परीक्षाओं के लिए भी प्रश्न पत्र तैयार कराने की जिम्मेदारी विभागाध्यक्ष की होगी. प्रो. यशवंत विरोदय ने बताया कि विभाग स्तर पर पीजी की परीक्षाएं होने से समय से मूल्यांकन और परिणाम भी जारी हो सकेंगे.

मूल्यांकन मार्क्स पोर्टल पर

पीजी परीक्षाओं के बाद विभागाध्यक्षों के पर्यवेक्षण में कापियों का मूल्यांकन होगा. फिर उसके अंकों को आनलाइन ई-पोर्टल पर अपलोड करते हुए कापियों और हस्ताक्षरित अवार्डशीट परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को उपलब्ध करानी होगी.

सेमेस्टर और मिड टेस्ट होंगे एक साथ

विश्वविद्यालय में स्नातक की सेमेस्टर और मिड टेस्ट एक साथ जनवरी में होंगे. इसके लिए 3: 30 मिनट मिलेंगे. एनईपी के कोर्स वालों को मिड टेस्ट (लिखित) में 15 अंक, असाइनमेंट के लिए पांच और प्रजेंटेशन के पांच अंक मिलेंगे. गैर एनईपी वाले कोर्स में लिखित मिड टेस्ट के 20 अंक मिलेंगे.

Campus

चार वर्षीय स्नातक के छात्र भी करेंगे इंटर्नशिप

पुनर्वास विवि : ग्रीष्मकालीन अवकाश में दूसरे संस्थान में लेना होगा प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में चार वर्षीय स्नातक कोर्स में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को भी इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप करनी होगी।

स्नातक के दूसरे वर्ष में सभी अभ्यर्थियों के लिए यह अनिवार्य होगी। इसके लिए एक पेपर की तरह ही क्रेडिट निश्चित होंगे। दो सप्ताह की ये दोनों गतिविधियां विश्वविद्यालय से बाहर किसी दूसरे संस्थान में करनी होंगी। इसका प्रमाणपत्र संबंधित विभागाध्यक्ष और डीन कार्यालय में जमा करना होगा।

पुनर्वास विवि में सत्र 2021-22 से नई शिक्षा नीति लागू हो गई है। ऐसे में विवि में इस सत्र में चार वर्षीय स्नातक कोर्स में विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। विद्यार्थियों को समग्र ज्ञान और बहुविषयक शिक्षा देने के लिए कोर्स के दूसरे वर्ष में

इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप का प्रावधान किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को विभाग स्तर पर विषय से संबंधित टॉपिक दिया जाएगा और वह उसी पर अपने प्रशिक्षण और दक्षता कार्य को पूरा करेंगे।

प्रवक्ता प्रो. यशवंत वीरोदय ने बताया कि छात्र-छात्राएं इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप दोनों में किसी भी एक विषय का चयन कर सकेंगे।

इंटर्नशिप में उन्हें एक तरह के जॉब ट्रेनिंग के लिए तैयार किया जाएगा, जिससे वह विशेष क्षेत्र में रोजगार के लिए कौशल को विकसित कर पाएंगे। वहीं, अप्रेंटिसशिप में वह किसी खास ट्रेड, कारोबार में प्रशिक्षण के लिए तैयार किए जाएंगे।

परीक्षा के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति

प्रो. वीरोदय ने बताया कि परीक्षा समिति में विद्यार्थियों के 75 प्रतिशत उपस्थिति के अनिवार्यता प्रस्ताव को भी सहमति दी गई। जिन छात्र-छात्राओं की उपस्थिति इससे कम होगी उन्हें परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा।

साढ़े तीन घंटे की होगी परीक्षा

विवि में बृहस्पतिवार को हुई कार्यपरिषद की बैठक में मध्य सत्र की परीक्षाएं अधिसत्र परीक्षाओं के साथ कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके साथ ही संपूर्ण प्रश्नपत्र को हल करने के लिए परीक्षा अवधि साढ़े तीन घंटे पर भी सहमति दी गई। इसमें सेमेस्टर परीक्षा के लिए 3 घंटे और मिड सेमेस्टर के लिए 30 मिनट का समय दिया जाएगा। यह 15 अंकों की होगी, जिसमें सभी बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएंगे।

निरीक्षक

प्रोजेक्ट को मिल गया अनुदान

LUCKNOW (12 DEC): डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के दो छात्र समूहों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से इंजीनियरिंग स्टूडेंट प्रोजेक्ट ग्रांट स्कीम 2024-25 के अंतर्गत अनुदान मिला है. इसमें विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के छात्र शशांक कुमार दुबे, हर्ष यादव व विशाल सिंह के प्रोजेक्ट सोलर पावर्ड ईवी चार्जिंग स्टेशन को दिनेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में स्वीकृति मिली है. वहीं, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र कृष्णा कुमार वर्मा एवं अंकित सेंगर के प्रोजेक्ट एप्लीकेशन आफ रिसाइकल्ड थर्मोप्लास्टिक बेस्ड फिलामेंट फार थ्रीडी प्रिंटिंग भी सहायक अध्यापक दिनेश सिंह, सहायक प्राध्यापक के निर्देशन में चयनित हुआ है.